भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1450 का उत्तर

रेलवे विकास निधि

1450. श्री वेंकटेश नेता बोरलाकुंताः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विश्व बैंक और रेलवे साथ मिलकर रेलवे विकास निधि बनाने पर कार्य कर रहे हैं जो प्रमुख अवसंरचना क्षेत्र हेतु 142 बिलियन डॉलर निवेश की योजनाओं का आंशिक रूप से वित्त पोषण करेगी तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस योजना के एक भाग को बहुपक्षीय निकायों और विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित किया गया है जिनके पास अन्तर्राष्ट्रीय अनुभव और तकनीक तक पहुंच है और हाल ही में सरकार ने इस संबंध में विश्व बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बैठक की है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या परिणाम रहे हैं;

(ग) क्या रेलवे के अधिकारियों ने परिवहन संबंधी विश्व बैंक की बैठक में भाग लिया है, अमरीका-भारत व्यापार परिषद ने अग्रणी व्यापारियों के साथ बातचीत की है, आईएफसी के अधिकारियों से मुलाकात की है तथा क्या आईएफसी रेलवे की विशाल परिसम्पत्ति को मोनीटाइज करने में सहायता कर सकता है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह भी सच है कि विश्व में रेलवे अपनी 30 से 40 प्रतिशत आय गैर-रेलवे परिचालन से प्राप्त करती है लेकिन भारत में यह दो प्रतिशत भी नहीं है तथा रेलवे की प्रमुख भू-सम्पदा को उत्पादक आयोग में लगाना इस रणनीति का मुख्य आधार होगा तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार अमरीकी व्यापार को भारतीय रेल में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करती है जिसने रेलवे अधिकतर परिचालनों में 100 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को खोल दिया गया है भारतीय रेल (आईआर) के

कायाकल्प और भारतीय लोगों द्वारा जिस प्रकार से यात्रा करते हैं, माल का परिवहन करते हैं, और सेवाएं प्रदान करते हैं और व्यापार करते हैं में बड़े परिवर्तन लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) और (ख): सरकार द्वारा भारतीय रेल अवसंरचना विकास निधि (आरआईआईडीएफ) की स्थापना संबंधी व्यवहार्यता की जांच के लिए विश्व बैंक के माध्यम से एक अध्ययन किया गया था। बहरहाल, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि वित्त मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना निधि (एनआईआईएफ) की स्थापना पहले ही कर दी गई है, इस प्रस्ताव के संबंध में आगे कार्रवाई न करने का विनिश्चय किया गया है।

(ग): रेल मंत्रालय के पास उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, किसी रेल पदाधिकारी द्वारा परिवहन के संबंध में विश्व बैंक की किसी बैठक में भाग नहीं लिया गया है और न ही अमरीका-भारत व्यापार परिषद के अग्रणी व्यापारियों के साथ बातचीत की है।

(घ): यह सही है कि विश्वभर में अनेक रेलें अपनी आय का बड़ा हिस्सा गैर-रेलवे परिचालनों से प्राप्त करती हैं। भूमि तथा अन्य परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के जरिए भारतीय रेल के गैर-किराया राजस्व में वृद्धि करने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

(i) मोबाइल परिसंपत्तियों, आउट-ऑफ होम विज्ञापन, रेल डिस्प्ले नेटवर्क, अनपेक्षित प्रस्ताव तथा कंटेट ऑन डिमांड का उपयोग करने संबंधी नीति

(ii) रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) के माध्यम से खाली भूमि का वाणिज्यिक उपयोग

(ङ): भारत सरकार द्वारा रेल अवसंरचना की निम्नलिखित गतिविधियों/ क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग पर 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी गई है:-

(i) सार्वजनिक निजी भागीदारी के जरिए उपनगरीय कॉरिडोर परियोजनाएं;

(ii) उच्च गति गाड़ी परियोजनाएं;

(iii) समर्पित माल यातायात लाइनें;

(iv) गाड़ी सेटों और रेलइंजनों अथवा सवारीडिब्बों के विनिर्माण तथा अनुरक्षण सुविधाओं सहित चल स्टॉक;

(v) रेलवे विद्युतीकरण;

(vi) सिगनलिंग प्रणाली;

(vii) माल यातायात टर्मिनल;

(viii) यात्री टर्मिनल;

(ix) विद्युतीकृत रेलवे लाइनों और मुख्य रेल लाइन से कनेक्टिविटी सहित रेल लाइन/साइडिंगों से संबंधित औद्योगिक पार्क में अवसंरचना; और

(x) मास रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम।

इन क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश खंड के दिशा निर्देशों पर निर्भर करता है जिनमें केंद्र सरकार अथवा उसके प्राधिकृत निकाय से आवश्यक संरक्षा प्रमाणपत्र शामिल हैं। यह एफडीआई नीति अमरीकी व्यापारियों के लिए भी खुली हुई है।

भारतीय रेल के सौंदर्यीकरण और यात्रियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ उपाय किए गए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

(i) रेलों में वहन क्षमता संवर्धन, संरक्षा और आधुनिकीकरण के लिए निवेश में महत्वपूर्ण व्यवस्था,

(ii) ऊपरी पैदल पुल, लिफ्ट, एस्केलेटर, शौचालय, बैटरी चालित वाहन, व्हील चेयर, प्रतीक्षा कक्ष जैसी विभिन्न यात्री सुख-सुविधाओं में सुधार और उनका अपग्रेडेशन,

(iii) ऑनलाइन टिकट व्यवस्था और पूछताछ सेवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग,

(iv) हमसफर, तेजस, अंत्योदय, उत्कृष्ट डबल डेकर एयर कंडीशन्ड यात्री (उदय), महामना जैसी प्रीमियम गाड़ी सेवाओं और दीनदयालु तथा अनुभूति जैसे सवारी डिब्बों की शुरुआत।

*****

sk